nt>

Title: Regarding problems being faced by potato growers in Uttar Pradesh and other parts of the country.

अध्यक्ष महोदय : रामजी लाल सुमन जी, मैंने आपको इजाजत दी है, आप बोलिये। 1-1 विाय पर मैं थोड़ा समय दे सकता हूं, पूरा समय नहीं दे सकता।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने आलू जैसी गम्भीर समस्या पर बोलने का अवसर मुझे प्रदान किया।

अध्यक्ष महोदय : लेकिन आप दो मिनट में बोलिये। मैंने इसके बाद आपकी पार्टी के दूसरे सदस्य श्री अखिलेश सिंह को बुलाने का प्रोमिस किया है। केवल दो मिनट में बोलिये।

SHRI RAMJI LAL SUMAN : Sir, I want only four minutes.

MR. SPEAKER: I give you only two minutes.

श्री रामजीलाल सुमन : चार मिनट। अध्यक्ष महोदय, 11 मार्च को ध्यानार्काण प्रस्ताव के जरिये हमने सरकार का और सदन का ध्यानाकर्ति किया था कि आलू की समस्या गम्भीर समस्या है और इस बार आलू का रिकार्ड उत्पादन एक से दो लाख मीट्रिक टन उत्पादन होगा। सरकार ने भरोसा दिलाया था कि एक लाख मीट्रिक टन आलू की खरीद तो सरकार ही करेगी। नाफेड के द्वारा उत्तर प्रदेश की सरकार 50 हजार मीट्रिक टन आलू खरीदेगी और 50 हजार मीट्रिक टन आलू दूसरी एजेंसियां खरीदेंगी, लेकिन मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि 24 केन्द्र खोलने की जो बात की गई थी, उत्तर प्रदेश में एक भी केन्द्र नहीं खुला। आज का यह अखबार मेरे हाथ में है, जिसमें खबर है कि आगरा में आलू की खरीद शुरू, इसका मतलब है कि आज से आगरा में आलू की खरीद शुरू हुई है, इससे पहले खरीद शुरू नहीं हुई। जलेसर के सांसद माननीय एस.पी. सिंह बघेल बैठे हैं, इनके क्षेत्र में तहसील एत्मादपुर के गांव नादऊ के भगवान सिंह ने आलू के घाटे से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। नगला जालिम तहसील एत्मादपुर के विजय सिंह पुत्र नवाबसिंह ने खुदकुशी की कोशिश की। नगला रायबख्श, एत्मादपुर के घनश्याम सिंह ने आत्महत्या का प्रयास किया। हसनपुर तहसील एत्मादपुर के नरेन्द्र का एक ट्रक आलू मुम्बई में 23 हजार में बिका, इतना ही गाड़ी का भाड़ा हो गया। यह इतना गम्भीर सवाल है।

यह इसलिए हुआ कि भारत सरकार ने एक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा किया था कि इस बार आलू का निर्यात होगा। आलू का किसान गलतफहमी का शिकार हो गया कि आलू का निर्यात होने वाला है, आलू ऊंचे भाव पर बिकेगा, लेकिन आज 35 और 40 रुपये प्रति क्विंटल आलू बिक रहा है। मुम्बई में जो आलू जा रहा है, जयपुर में जो आलू बिकने जा रहा है, उसमें हालत यह है कि इतना रुपया भी किसान को नहीं मिलता कि वह भाड़े को अदा कर सके। मैं नहीं समझता कि इससे ज्यादा गम्भीर सवाल और क्या हो सकता है। हमने आपके मार्फत हिन्दुस्तान के कृाि मंत्री से विनम्र आग्रह किया था कि राज्य सरकार से तालमेल करके कोई आवश्यक कार्र वाई करे, आलू का उत्पादन ज्यादा होगा। सरकार ने भरोसा दिलाया था कि इस बार हम खरीद करेंगे। लेकिन खरीद केन्द्रों की स्थापना नहीं हुई, यहां असत्य बोला गया। हमारे ध्यानार्काण प्रस्ताव के जवाब में माननीय अजित सिंह जी ने जो 11 मार्च को कहा, उसका कोसों तक सत्य से सम्बन्ध नहीं है। इसमें हम आपका संरक्षण चाहते हैं, आलू किसानों को अगर संरक्षण नहीं मिलेगा तो खुदकुशी होगी, लोग मरेंगे, वे परेशान हैं। आज हालत यह है कि आलू खेतों में सड़ रहा है, गर्मी पड़ेगी तो बीमारी फैलेगी। आज किसान आलू खोदने को तैयार नहीं है, क्योंकि उसे आलू खोदने के बाद भी जो आलू बिकेगा, उसकी कीमत 35-40 रुपये प्रति क्विंटल से ज्यादा नहीं मिलेगी। मैं समझता हूं कि यह बहुत गम्भीर सवाल है। हमें आपके संरक्षण की आवश्यकता है, आप सरकार को निर्देश दें, आप सरकार को कहें कि आलू जैसी गम्भीर समस्या पर जहां किसान खुदकुशी कर रहा है, जहां किसान परेशान है, उसको लागत मूल्य नहीं मिल रहा है, उसकी लूट हो रही है, उस पर जो कर्जा है, उसे जबरिया वसूला जा रहा है। मैं नहीं समझता कि इससे गम्भीर सवाल कोई दूसरा हो सकता है, इस पर हम आपका संरक्षण चाहते हैं। आप कृाि मंत्री को बुल वाइये हम अपेक्षा करते हैं कि इस सवाल पर वे तत्काल जवाब देने की कोशिश करें।

श्री धर्म राज सिंह पटेल (फूलपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं चार दिन से इसी संबंध में समय मांग रहा हूं। â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, the DDA scam has become the biggest scam. They are trying to sell Delhi. Delhi is on sale now. Earlier it was on lease...(*Interruptions*)

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : आप श्री पी.के. थुंगन से पूछिये, जिनके ऊपर आज भी केस चल रहा है। â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : अध्यक्ष महोदय, खुराना जी जब बात करेंगे तब सब साफ हो जायेगा। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका नोटिस मेरे पास है। मैं आपको बोलने की इजाजत दूंगा।

...(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : अध्यक्ष महोदय, ये डी.डी.ए. को 40 सालों से इंसपैक्ट कर रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)ये दिल्ली को 40 सालों से बेच रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)अगर इस तरह के इश्यू उठेंगे â€¦ (व्यवधान)मैं 40 सालों से दिल्ली के लिए लड़ रहा हूं। â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : अध्यक्ष महोदय, आप खुराना जी को 10 मिनट बोलने का समय दे दीजिए। वे सब कुछ साफ-साफ बता देंगे। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : खुराना जी, आप बैठिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अखिलेश जी, आप बोलिये।

...(व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : अध्यक्ष महोदय, मदन लाल खुराना जी को बोलने की आजादी दी जाये। वह सारा सत्य जनता के सामने रख देंगे कि दिल्ली में क्या हुआ और क्या नहीं हुआ। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अखिलेश जी, आप बोलिये।

...(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : अध्यक्ष महोदय,कल ही कांग्रेस के लोग पकड़े गये हैं। â€¦(व्यवधान)कल ही चार लोग रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए पकड़े गये हैं। â€¦(व्यवधान)मैं पूछना चाहता हूं कि शीला कौल कौन थी ? श्री पी.के. थुंगन कौन थे ? â€¦(व्यवधान)वसंत कुंज में बिना नीव के इन्होंने मकान बनाये हैं। â€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, if there is a Joint Parliamentary probe, the entire Government will be in dock. Let him explain and accept my challenge. Let him agree for a Joint Parliamentary Committee probe, and the entire Government will be in dock...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मदन लाल खुराना जी, आप बैठिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह दो पड़ोसियों का झगड़ा है।

...(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : अध्यक्ष महोदय, मैं डी.डी.ए. के भ्रटाचार के खिलाफ 40 सालों से लड़ रहा हूं। â€¦(व्यवधान)वसंतकुंज में बिना नीव के मकान इन्होंने बनाये हैं। â€¦(व्यवधान)श्रीमती शीला कौल और पी.के. थुंगन गिरफ्तार हुए। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : खुराना जी, आप बैठिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आलू का विाय बहुत महत्वपूर्ण है। इस पर मैंने कुंवर अखिलेश जी को बोलने की इजाजत दी है।

...(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : अध्यक्ष महोदय, मेरी जितनी प्रापर्टी है, उसे मैं एनाउंस करता हूं। मेरा दिल्ली में एक सवा दो सौ गज मकान के अलावा और कोई मकान हो तो वह बता दें। â€¦(व्यवधान)

श्री राज बब्बर (आगरा) : अध्यक्ष महोदय, आलू के महत्वपूर्ण विाय में यह डी.डी.ए. कहां से आ गया? आज आलू का किसान मर रहा है। â€¦(व्यवधान)वह आत्महत्या कर रहा है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अखिलेश जी, आप बोलिये। आलू के विाय के अलावा और कोई बात रिकार्ड में नहीं जायेगी।

...(व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : कल ही एक काउंसलर रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया है â€¦(व्यवधान)एक का मर्डर हुआ है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह विाय हमारे सामने नहीं है। यह विाय सदन में दूसरे माध्यम से भी आ सकता है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आलू के विाय पर चर्चा शुरू है । इसी विाय की बात रिकार्ड में जायेगी, इसके अलावा और कोई बात रिकार्ड में नहीं जायेगी।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अखिलेश जी, आप अपना भााण शुरू क्यों नहीं करते ? यह किसानों का प्रश्न है इसलिए जवाब आने दीजिए। मैं इसके बाद मिनिस्टर को बोलने के लिए कहूंगा।

...(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, इस तेरहवीं लोक सभा में एक बार नहीं, अनेक बार किसानों की समस्याओं पर चर्चा हुई। पीठ ने उदारतापूर्वक किसानों की चर्चा पर पक्ष और विपक्ष के लोगों को बोलने का मौका दिया। लेकिन साढ़े तीन साल का हमारा अनुभव है कि इस सदन के अंदर किसानों के सवाल पर बार-बार चर्चा होने के बावजूद सरकार के द्वारा जो उत्तर भााण इस सदन के पटल पर दिये जाते हैं, उसका अनुपालन नहीं किया जाता। अभी जब हम परम्पराओं से अलग हटकर आलू की दुर्दशा को आपके सामने रख रहे थे तो आपने हमें फटकार लगाई थी।

आप हमारे गार्जियन हैं, आप हमारे संरक्षक हैं। अगर यही फटकार इस सरकार को लगाते तो शायद हमें अपना दर्द इस रूप में नहीं रखना पड़ता। जब गन्ना किसानों के सवाल पर इसी सदन में चर्चा हुई थीâ€¦(व्यवधान) खुराना जी आप सुन लीजिए, आपको आलू के दर्द का पता नहीं, आप भ्रटाचार में उलझे रहेंगे। इसी सदन में जब गन्ना किसानों के सवाल पर चर्चा हुई थी तो मुंडेरवा में तीन किसान पुलिस की गोली से मारे गए थे। राज्य सरकार ने असत्य तथ्य प्रस्तुत किए और केन्द्र सरकार ने भी उसी असत्य तथ्य को सदन के पटल पर रखा। उस समय हमने व्यक्तिगत तौर पर इस सदन में आपसे कहा था कि जिन लोगों ने यह गलतबयानी की है, उनके विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन मुझे खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि अप तक आपके द्वारा सरकार की गलतबयानी के विरूद्ध कोई कार्र वाई नहीं की गई। सरकार द्वारा जितने भी उत्तर भााण दिए गए, उनको आप देखें। कृाि मंत्री जी ने पिछले सत्र में आलू के संदर्भ में बयान दिए हैं। यदि उनके बयानों को निकाल कर देखें और आलू की समस्या से किसान जो जूझ रहा है, दोनों की तुलना करेंगे तो निश्चित रूप से सदन की अवमानना का मामला कृाि मंत्री जी के ऊपर बनता है। किसान के सवाल पर इस सदन को और सरकार को गम्भीर होना चाहिए। या तो आप चर्चा की अनुमति न दें और अगर देते हैं, और मंत्री जी उत्तर

भााण में जिन बिंदुओं की तरफ सदन का ध्यान आकर्ति करते हैं, सदन में आश्वासन देते हैं, उस आश्वासन को पूरा करें। आज एस.पी. वघेल जी के क्षेत्र में दो किसानों ने आत्महत्या की है। रघुराज सिंह शाक्य जी के क्षेत्र की भी समस्या यही है। इसलिए हम आपसे आग्रह करते हैं कि जिन माननीय सदस्यों के क्षेत्रों की ि वकट समस्या है, उनको निश्चित ही आप सुनें।

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल (जलेसर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं पूरे देश के आलू किसानों की बात कर रहा हूं। विशे तौर पर मैं जिस हलके से आता हूं, वहां लगभग 100 प्रतिशत खेती आलू की ही होती है। हमारे लोक सभा के क्षेत्र के लोग आलू खाते हैं, आलू बिछाते हैं और आलू पहनते हैं यानी सब कुछ आलू पर निर्भर है। जिस साल हमारे इलाके में आलू की फसल ठीक होती है, बेटियों की शादियां होती है, ईंटें खरीदी जाती हैं। उसी साल सोना-चांदी खरीदी जाती है और बच्चों को साइकिलें दिलाई जाती हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि सात तारीख को जब लोक सभा सत्र का पहला दिन था, मैं यहां उपस्थित नहीं था। हमारे क्षेत्र में घनश्याम यादव जो नुजला जालिस सिंह गांव का था, उसने आत्महत्या करने का प्रयास किया और वह गम्भीर हालत में जी.जी. नर्सिंग होम, आगरा में एडमिट है। मैं उसको देखने गया था। चौधरी भगवान सिंह जो नांदू गांव के हैं, उन्होंने 29 मार्च को आत्महत्या कर ली। साफ कारण है, सुसाइड नोट भी छोड़ा कि आलू की मंदी के कारण मैं आत्महत्या कर रहा हूं। इसी तरह से नुजला जालिम सिंह गांव के रघुराज सिंह ने भी आत्महत्या का प्रयास किया। उसकी ट्रेकोमासाइड टूट गई है और बचने की उम्मीद नहीं है। स्थिति यह है कि जब यहां मंत्री जी बोलते हैं तो देश के किसान गम्भीरता से उसको सुनते हैं। कृि मंत्री जी का एक बयान 11 मार्च को आया कि आगरा मंडल को आलू निर्यात जोन बनाया जा रहा है। उसके साथ अखिलेश यादव जी का भी क्षेत्र कन्नौज और फतेहगढ़ को भी जोन घोति किया जा रहा है, यानी कुल आठ जिलों, कानपुर और आगरा मंडल के कन्नौज और फतेहगढ़ को आलू जोन घोति किया जा रहा है, जिससे यहां से आलू का निर्यात हो सकेगा। कृि मंत्री जी के इस आश्वासन से लोगों ने आलू की जोत बहुत कर दी। इस बार हमारे इलाके में कहीं गेहूं नहीं बोया गया। आलू की यह स्थिति है, मैं समाचार पत्र के माध्यम से आपको बताना चाहता हूं कि सादाबद के चौराहे पर, कंडौली चौराहे पर और कुंडला के चौराहे पर आलू के ढेर लगे हुए हैं और 40 रुपए प्रति बोरी आलू बिक रहा है, जितना चाहो खरीद लो। अगर दिल्ली के व्यापारी वहां जाना चाहें तो उनको 40 रुपए प्रति बोरी के हिसाब से आलू देने में वहां के किसान खुश होंगे। वह बोरी नहीं देंगे, क्योंकि बोरी की कीमत 25-30 रुपए है। एक बोरी में 80 किलो आलू आता है यानी 40 रुपए में 80 किलो आलू वहां बिक रहा है। सरकार निर्यात जोन में 190 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से आलू खरीद रही है। कृि मंत्री जी का बयान आया कि दो रुपए 12 नए पैसे प्रति किलो आलू की लागत आती है। राज्य सरकार ने भी कहा कि एक रुपया 87 नए पैसे प्रति किलो आलू की लागत आती है। हम आलू के किसान हैं, हमारे खेत में एक रुपया 95 नए पैसे प्रति किलो आलू की लागत आई है, जबकि बिक रहा है 40 नए पैसे प्रति किलो। इतने घाटे की खेती होगी तो कैसे काम चलेगा। मैं चाहता हूं कि हम जो यहां बोल रहे हैं, मुख्य रूप से यहां से ऐसी बात जाए, जो किसानों के हित में हो। आलू एक कच्ची फसल है, यह लोहा या सीमेंट नहीं है कि इसको रख दो। कोल्ड स्टोरेज भर गए हैं।

13.00 hrs.

आलू बाहर खुले में रखा हुआ है। अगर सरकार की तरफ से हफ्ते भर में उसकी बिक्री के इंतजाम नहीं किये गये तो यहां इस विाय पर डिस्कश करने के कोई फायदा नहीं है। इसलिए आपकी तरफ से फौरन दो-तीन दिन में कोई व्यवस्था की जाए। बाहर के जो निर्यात जोन्स हैं, उनके लिए सेंटर्स खुलवाकर आलू बिकवा दीजिएगा। अध्यक्ष जी, अगर आज आपकी पीठ के माध्यम से कोई बात आलू किसानों के फैवर में चली जाएगी तो और आलू किसान इस भयावह स्थिति से बच जाएंगे। आज इन दो-तीन आत्महत्याओं के अलावा हजारों किसान आत्महत्या के कगार पर खड़ा हुआ है। अगर यहां से किसानों के हित में कोई बात चली गयी और उसका अनुपालन हो गया तो आलू किसान आत्महत्या करने से रुक जाएंगे। पिछले 5-6 सालों में केवल एक बार आलू किसानों को फायदा हुआ है, चार बार घाटा हो चुका है। इसलिए आज कोई न कोई घोाणा यहां से आलू खरीद के बारे में होनी चाहिए और भविय के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य आप यहां से घोति करें। जैसे गेहूं, धान, मक्का और बाजरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोति कर रखा है उसी प्रकार से आलू का भी न्यूनतम समर्थन मूल्य घोति करें।

जिन किसानों ने आत्महत्याएं की हैं उनके परिवार वालों को आप उचित मुआवजा दिलवाएं। जब यूटीआई को चलाने के लिए आप पांच सौ करोड़ रुपया दे सकते हैं तो क्यों न आलू किसान को 25 हजार रुपये प्रति एकड़ की सब्सिडी दी जाए। आलू जिससे पैदा होता है वह डीजल, खाद और पानी महंगा है तो क्यों न उसको सब्सिडी दी जाए। हम मृतक लोगों को अपनी शोक-श्रद्धांजलि भी देना चाहते हैं। यहां से आपके माध्यम से जब कोई एक संदेश जाएगा तभी भविय में किसान आत्महत्या नहीं करेगा।

अध्यक्ष महोदय : रामसागर जी, आप बोलिये। आपको केवल दो मिनट मिलेंगे।

श्री रामसागर रावत (बाराबंकी) : अध्यक्ष जी, आलू किसान पर आज जो समस्या आई है उसके बारे में मैं आपके नोटिस में लाना चाहूंगा कि सितम्बर-अक्टूबर में जब आलू बोया जा रहा था तो उसके बीज का दाम 700 रुपये या 800 रुपये क्विंटल था। उत्पादन के समय डीजल के दाम, दवाइयों के दाम और लेबर चार्ज बढ़ गया। जिन किसानों ने 700 रुपये क्विंटल आलू बोया, वह आलू आज चालीस रुपये क्विंटल बिक रहा है, जिसकी वजह से किसान कमजोर हुआ है, आत्महत्या कर रहा है। आज आलू का रिकार्ड उत्पादन हुआ है और वह खुले में सड़कों पर पड़ा हुआ है, स्टोर में रखा नहीं जा रहा है। इस बर्बादी को लेकर पूरे उत्तर प्रदेश में किसानों में असंतोा है। भारत सरकार का ध्यान बार-बार दिलाया गया है कि आलू किसान की समस्या का समाधान और निदान करें लेकिन कोई निदान नहीं हो पाया है। मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि वह शीघ्र ही इस समस्या का कोई निदान निकाले, जिससे आलू किसानों को राहत मिल सके।

श्री धर्म राज सिंह पटेल (फूलपुर) : अध्यक्ष जी, हमारे भारत सरकार के मंत्री लोग जनता के बीच में कितने गलत वायदे करते हैं, यह हम आपको बताना चाहते हैं। हमारे फूलपुर संसदीय क्षेत्र इलाहाबाद में, हमारे माननीय कृि मंत्री श्री अजीत सिंह जी ने हजारों किसानों के बीच में आलू क्रय-केन्द्र का उद्घाटन किया और घोाणा की कि 192 रुपये या 198 रुपये में आलू खरीदा जाएगा। लेकिन वहां हमारे फूलपुर संसदीय क्षेत्र सहसों में कहीं भी आलू क्रय-केन्द्र नहीं खोला गया है। किसान परेशान है और वहां का किसान अपना आलू खेतों और बागों में रखे हुए है कि क्रय-केन्द्र खुलेगा और आलू खरीदा जाएगा। हमने चाय पर माननीय अजीत सिंह जी से बात की तो उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को हम पैसा देना चाहते हैं लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री आलू खरीदना नहीं चाहती हैं, मैं क्या करुं? जब भारत सरकार असहाय हो गयी है, उत्तर प्रदेश सरकार असहाय हो गयी है तो आलू किसान चाहे उत्तर प्रदेश का हो या देश के किसी भी भाग का हो, उसकी समस्या का निराकरण कौन करेगा? यह मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं। जहां भी इस प्रकार की समस्या है उसका निराकरण शीघ्र कराएं।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, West Bengal is the second largest producer of potatoes. This year, more than 40 lakh tonnes of potato has been grown in West Bengal. A serious situation is being faced by the farmers who have produced potatoes because the prices have come down and the potatoes are rotting because there is not enough storage space. Although a large number of cold storages have come up during the last ten to fifteen years, in some districts like Hoogly, Bankura and West Midnapore, the capacity is not sufficient to preserve the entire production. The Government of West Bengal has started purchasing potatoes but it is not possible for the State Government to purchase the entire crop unless the Central Government comes forward to purchase potatoes and prevent distress sale.

So, I urge upon the Government that a minimum support price, as there is in the case of other crops, should be

announced by the Government of India. The Government of India should come forward to start purchasing potatoes not only from the farmers of Uttar Pradesh but also from the farmers of West Bengal. Uttar Pradesh is the largest producer of potatoes but West Bengal is the second largest and so the Central Government should come forward to start purchasing potatoes from the farmers of West Bengal. ...(*Interruptions*)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : महोदय, आलू की फसल के संबंध में उत्तर प्रदेश के जिन सदस्यों ने विचार व्यक्त किए हैं, मेरा नाम भी उनके साथ सम्बद्ध किया जाए। â€¦(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : महोदय, मैं एक मिनट का समय लूंगा। मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं, उत्तर प्रदेश में तो स्थिति गम्भीर है, लेकिन बिहार और पश्चिम बंगाल में भी जो आलू उत्पादक हैं, उनकी स्थिति भी गम्भीर है। सबसे जरूरी बात कोल्ड स्टोरेज की है। जितना उत्पादन है, उसके अनुसार कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था नहीं है। आलू लम्बे समय तक नहीं रखा जा सकता है, आलू सड़ जाएगा। जिन किसानों ने कर्जा लिया है, वे उसका भुगतान भी नहीं कर सकते हैं। विाय बहुत गम्भीर है और मानवीय दृटिकोण से भी इस विाय को सरकार को गम्भीरता से लेना चाहिए। इस साल की खरीद सरकार द्वारा एमएसपी या लागत मूल्य के आधार पर करनी चाहिए, ताकि उनको मूल्य मिल सके। सारे किसान आत्म-हत्या पर उतारु हैं। â€¦(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : इस पर कृाि मंत्री जी का बयान होना चाहिए। â€¦(व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : महोदय, आज के बाद सदन की कार्यवाही दस दिनों तक नहीं होगी और आलू सब बर्बाद हो जाएगा। आप सरकार से कहिए कि कृाि मंत्री जी सदन में आकर ब्यान दें।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सरकार द्वारा सकारात्मक बयान होना चाहिए। â€¦(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : The situation is serious. So, the Minister of Agriculture should come and make a statement here. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप लोगों की मांग है कि कृाि मंत्री जी को आकर स्टेटमेंट देना चाहिए। यह आप लोगों की मांग है। स्टेटमेंट आज करना है या छुट्टी के बाद करना है, यह मैं पूछ सकता हूं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मंत्री जी का जवाब आने दीजिए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आपकी मदद करना चाहता हूं, लेकिन इस तरह से मदद कैसे होगी। मैं सोचता हूं, अगर आपको प्रश्न में इन्टरैस्ट है, तो मेरी बात कम से कम जरूर सुनेंगे।

श्री रामजीलाल सुमन : आप कम से कम हमारी प्रार्थना तो सुन लें।

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपकी प्रार्थना सुनी है।

श्री रामजीलाल सुमन : सरकार का रवैया सकारात्मक नहीं है। कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, why can the Minister of Agriculture not come here at two o'clock and make a statement?

MR. SPEAKER: The hon. Minister of State in the Ministry of Parliamentary Affairs wants to say something. Let us listen to him.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मंत्री जी को उत्तर देना चाहिए, यह आपकी मांग है।

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : महोदय, आलू एक ऐसी क्राप है, अगर इस समस्या का हल नहीं निकाला गया, तो यह सड़ जाएगा। इसलिए अच्छा होगा कि आप ज वाब आज ही दे दिया जाए।

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विजय गोयल) : महोदय, आलू के संबंध में माननीय सदस्यों ने â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : महोदय, जब इतनी गम्भीर समस्या है, तो किसी गम्भीर मंत्री को बुलाइए। इनके बोलने से क्या फायदा, जब समस्या गम्भीर है।

श्री विजय गोयल : अध्यक्ष महोदय, मैं सदस्यों की भावनाएं गम्भीर मंत्री के पास पहुंचा दूंगा।â€¦(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, ऐसे नहीं चलेगा, ये केवल औपचारिकता पूरी कर रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज बैठिये। अगर आप नहीं बैठेंगे, तो मैं हाउस एडजर्न कर दूंगा।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं संसदीय कार्य मंत्री, गोयल जी से कहना चाहता हूं...

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अभी मैं बोल रहा हूं, आप मुझे सुनिये।

श्री विजय गोयल : सर, मैं जवाब दे रहा था। माननीय सदस्यों ने किसानों के बारे में एक गम्भीर सवाल उठाया है, जो आलू उत्पादकों के बारे में है, वह चाहे उनकी परचेज, चाहे स्टॉक या लागत से संबंधित है, मैं आप लोगों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपने जो बातें यहां रखी है, वह मैं कृषि मंत्री जी तक अवश्य पहुचाऊंगा और चाहूंगा कि कोई न कोई समाधान इसका अवश्य निकले।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, यह महज औपचारिकता है। यदि सरकार का जवाब संतोाजनक नहीं आया तो हम सदन नहीं चलने देंगे।â€¦ (व्यवधान)

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल : किसानों ने आलू आमों के बागों में रखा हुआ हैâ€¦ (व्यवधान)किसान परेशान हैंâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं चाहता हूं कि इस विाय पर आज निवेदन होना बहुत महत्वपूर्ण है। लेकिन आप मुझे सुनेंगे ही नहीं तो मैं क्या बोलूंगा। मैं चाहता हूं कि मंत्री के पास यदि पूरी इंफॉर्मेशन है तो मंत्री जी आज दोपहर को दिन में ही यहां आकर इस विाय में निवेदन करें। आप मंत्री जी को पूरी इंफॉर्मेशन दें और उनके पास इस विष ाय में पूरी मालूमात होगी तो आयेंगे, नहीं तो कम से कम इस सदन में इतना तो कहेंगे कि इन लोगों ने जो कहा है, मैं इन सभी का डेलीगेशन बुलाता हूं और सभी का डेलीगेशन बुलाकर उनसे चर्चा करूंगा, ऐसा तो मंत्री जी कह सकते हैं, क्योंकि इस विाय में तुरंत निर्णय करने की जरूरत है। इसलिए मैं इस तरह का आदेश देता हूं कि मंत्री जी को आप पूछना, उनसे चर्चा करना, उनके पास इंफॉर्मेशन हो तो सदन में आ जाएं और सदन में आने के बाद यदि आप निवेदन नहीं हो सकता है तो जिन सदस्यों ने यहां भााण किये हैं, वह सभी को बुलायेंगे और चर्चा करके इसमें रास्ता निकालने की कोशिश करेंगे।

13.12 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

14.04 hrs.

The Lok Sabha reassembled after lunch at Four minutes past

Fourteen of the clock

(MR. SPEAKER in the Chair)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, आपने निर्देश दिया था कि अब कृषि मंत्री वक्तव्य देंगे। कृषि मंत्री का कुछ पता नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : कृषि मंत्री ने कहा है कि आज सदन उठने से पहले वे यहां आकर वक्तव्य देने वाले हैं।

श्री रामजीलाल सुमन : उसकाक्या समय होगा?

अध्यक्ष महोदय : समय पूछकर सदन को बताया जाएगा। जब झगड़ा ही खत्म हो गया है, फिर भी आप झगड़ा करना चाहते हैं?